Name: Ananya Suresh Nambiar, X B 6/3/2020.

मीराबाई पद

मीरा के पद।

क )

1.मीरा के पहले पद की व्याख्या कीजिए।

मीरा बाई लोगों के दुख से द्रवित होकर कहती है - हे प्रभु ! आप लोगों की पीड़ा को दूर कर दीजिए। आपने पौराणिक समय में अनेक भक्तों की लाज रखी है। उदाहरणतया आपने द्रौपदी की लाज रखने के लिए वस्त्र हरण के अवसर पर उसके वस्त्र को इतना बढ़ा दिया कि वे दुशासन के हाथों से लज्जित नहीं हो पाए।

आपने ही अपने भक्त प्रहलाद को बचाने के लिए नरसिंह भगवान का रूप धारण करके उसके प्राणों की रक्षा की थी। आपने ही डूबते गजराज को बचाया था। हाथी का कष्ट हरने के लिए आपने ही मगरमच्छ को मारा था। मीराबाई कहती है - 'मैं तो आपकी दासी हूं', आप मेरी भी पीड़ा दूर कीजिए।

2.मीरा के दूसरी पद की व्याख्या कीजिए।

मीरा श्री कृष्ण से प्रार्थना करती है कि है कृष्ण! आप मुझे दासी बना कर रख लीजिए। गिरधारी जी से पुनः यही विनती दोहराई है कि दासी बनकर वह उनके लिए बाग लगाएगी और नित्य उड़कर उनके दर्शन पा सकेगी।

वृंदावन की कुंज गलियों में कृष्ण की लीला का गान करना चाहती है। दासी बनकर उन्हें कृष्ण के नाम स्मरण का अवसर प्राप्त हो जाएगा। भाव एवं भक्ति की जागीरी अथवा साम्राज्य भी उन्हें प्राप्त हो जाएँगे।

वे श्रीकृष्ण के रूप माधुरी का वर्णन करती हुई कहती है कि श्री कृष्ण के शीशे पर मोर का मुकुट ~~दाद्य~~ धारण करके शरीर पर पीले वस्त्र सुशोभित हो रहे हैं। उन्होंने अपने गले में वैजयंती के फूलों की माला भी धारण कर रखी है वह वृंदावन में गाय चराते हैं और मनमोहक मुरली बजाते हैं।

वृंदावन में कौन सा महल है वह महल में फुलवारी बनाना चाहती है वह? लाल साड़ी पहनकर अपने प्रिय दर्शन प्राप्त करना चाहती हैं। मीराबाई कृष्ण जी से विनती करते हुए कहती है कि यमुना नदी के किनारे आप मुझे आधी रात में दर्शन देकर कृतार्थ करें।

आप ही मेरे प्रभु है आप ही गिरिधरनागर है। मेरा हृदय अपने प्रिय से मिलने के लिए व्याकुल हो रहा है।

Scanned with CamScanner

3. Ref. 2nd पद

4. Nil

5 Ref 2nd पद

6.मीराबाई ने अपनी बात के लिए कौन-कौन से प्रमाण दिए हैं?

Ref. पद 1.

7. मीराबाई अपनी किस पीड़ा को दूर करने की बात कह रही है?

मीराबाई श्री कृष्ण की भक्त है ॥ वह उनकी प्रेम दीवानी है। उसका हृदय अपने प्रिय श्री कृष्ण के दर्शन के लिए व्याकुल है। श्री कृष्ण के दर्शन ना होना ही उसकी पीड़ा का कारण है।

श्री-कृष्ण से अपने दर्शन देकर उसकी-पीड़ा को दूर करने की बात कहती है।

8. मीरा ने श्रीकृष्ण से क्या प्रार्थना की है? मीरा श्रीकृष्ण की सेविका बनकर प्रतिदिन उनके दर्शन करना चाहती है। कवित्री ने किन तीन बातों को संकेत किया है?

मीरा कहती है कि मीरा ने कृष्ण की सेविका बनकर उनके दर्शन पाना चाहती है। उनका नाम स्मरण करना चाहती है और भक्ति रूपी संपत्ति प्राप्त करना चाहती हैं। उन्होंने दर्शन नाम स्मरण और भक्ति इन तीनों बातों की ओर संकेत किया है।

Scanned with CamScanner